

07-02
25

वकील काफ़ी अनुपस्थित। बार-बार आपाज लगावार्ह
गई बार-बार आपाज लगावार्ह के बावजूद काफ़ी की
और से काफ़ी उपस्थित नहीं। अतः काफ़ी काफ़ी अफ़सोस
अफ़सोस पेशी में पारित किया जाता है। पत्रावली पेशी
मुमकिन होकर नभर से काफ़ी ही हस्त जाहज़ा काफ़िल
दालर ही।

2-

उपस्वण आधिकारी
धौलपुर (राज०)